कला स्नातक

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र में नामांकित छात्रों के लिए

बीजीडीजी 172

जेंडर संवेदीकरण: समाज और संस्कृति

लैंगिक एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया है, इग्नू में मूल्यांकन के दो भाग होते है: i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्यों का अधिमान 30% होता है जबकि सत्रांत परीक्षा का अधिमान 70% होता है।

आपको छह-क्रेडिट पाठ्यक्रम बीजीडीजी 172: लैंगिक संवेदनशीलता: समाज और संस्कृति के लिए अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) के तीन भाग करने होंगे। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में सामान्य वैकल्पिक बीजीडीजी 172- लैंगिक संवेदनशीलता: समाज और संस्कृति, जो एक छह-क्रेडिट पाठ्यक्रम है, के लिए अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य हैं। इसलिए, पुस्तिका में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं जिनके कुल अंक 100 हैं और इनका अधिमान 30% है।

भाग - क में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। ये निबंध प्रकार के उत्तर लिखने के लिए हैं, जिनमें एक परिचय और एक निष्कर्ष होता है। इनका उद्देश्य विषय के बारे में आपकी समझ/ज्ञान को व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत रूप से व्यक्त करने की आपकी क्षमता का परीक्षण करना है।

भाग - ख में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों में आपको पहले तर्कों और स्पष्टीकरणों के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा और फिर संक्षेप में उत्तर लिखने होंगे। ये प्रश्न अवधारणाओं और प्रक्रियाओं के बीच अंतर करने, तुलना करने और स्पष्ट रूप से समझने की आपकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग - ग में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आपके स्मरण कौशल को बेहतर बनाने, संक्षेप में, व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी, या अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ को बेहतर बनाने के लिए हैं।

कार्यक्रमों को हल करने से पहले, कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। आपको सभी अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखने होंगे। आपके उत्तर किसी विशेष भाग के लिए निर्धारित शब्द सीमा के लगभग भीतर होने चाहिए। स्मरण रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और यह आप को सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

कार्यक्रम मार्गदर्शिका में उल्लिखित अनुसार, सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य होने के लिए आपको निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

नोट: वेबसाइट पर डाले गए नवीनतम सत्रीय कार्य को करने का अनुरोध है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्य प्रस्तुत करना:

प्रवेश बैच	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**जमा करने का स्थान**
जुलाई 2025 में नामांकित छात्रों के लिए	30 अप्रैल 2026	छात्र अध्ययन केंद्र के समन्वयक
जनवरी 2026 सत्र में नामांकित छात्रों के लिए	31 अक्टूबर, 2026	

आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। हो सके तो सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र आपको सत्रीय कार्य लौटा देंगे। कृपया इस पर ध्यान दे कि अध्ययन केंद्र को अंक इग्नू, नई दिल्ली स्थित छात्र मूल्यांकन प्रभाग को भेजने होंगे।

1) **योजना:** सत्रीय कार्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएँ और फिर उन्हें तार्किक रूप से पुनर्व्यवस्थित करें।

2) **संगठन:** अपने उत्तर की एक मोटी रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपनी प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

क) तार्किक और सुसंगत हो;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

3) **प्रस्तुति:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो आप जमा करने के लिए अंतिम संस्करण को साफ-सुथरे ढंग से लिख सकते है और उन बिंदुओं को रेखांकित कीजिए जिन पर आप ज़ोर देना चाहते हैं। सुनिश्चित कीजिए कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर हो।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार दें। निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आपके लिए उपयोगी होगा:

शुभकामनाओं के साथ

लैंगिक एवं विकास अध्ययन स्कूल (एसओजीडीएस),
इग्नू, नई दिल्ली

बीजीडीजी -172: लैंगिक संवेदनशीलता: समाज एवं संस्कृति
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: बी जी डी जी 172
सत्रीय कार्य कोड: ASST /TMA / 2025-26
कुल अंक: 100

भाग-क

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

1. पुरुषत्व और स्त्रीत्व को परिभाषित कीजिए। यह भारत में लैंगिक भूमिकाओं को किस प्रकार आकार देता है? उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (20 अंक)

2. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि श्रम शक्ति में भागीदारी, अर्थव्यवस्था और लैंगिक समानता आपस में जुड़ी हुई हैं? उपयुक्त उदाहरण देकर चर्चा कीजिए। (20 अंक)

भाग-ख

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. भारतीय समाज में पितृसत्ता की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक)

4. नारीवादी सिद्धांत में उदारवादी और क्रांतिकारी नारीवादियों के योगदान का परीक्षण कीजिए । (10 अंक)

5. भारतीय महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर हुए तर्क-वितर्क का मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक)

भाग-ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

6. लिंग और जेंडर पर एक टिप्पणी लिखिए। (6 अंक)

7. समाजवादी नारीवाद क्या है? (6 अंक)

8. जेंडर और मीडिया पर एक टिप्पणी लिखिए। (6 अंक)

9. उत्पादक कार्य को परिभाषित कीजिए। (6 अंक)

10. मार्क्सवादी नारीवाद पर एक टिप्पणी लिखिए। (6 अंक)